आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 272 | उज्जैन, शुक्रवार 22 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

हरित ऊर्जा के लिए प्रतिबद्ध बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए मध्यप्रदेश बन रहा है आकर्षण का केन्द्र-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा के प्रमुख केन्द्र के रूप में उभर रहा है। हरित ऊर्जा के लिए प्रतिबद्ध बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र बन रहा है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यहां अपनी निर्माण इकाइयां स्थापित करने की इच्छुक हैं। उद्योगों के साथ कृषकों और जनसामान्य को सौर ऊर्जा व अन्य वैकल्पिक स्त्रोतों से किफायती दर पर विद्युत उपलब्ध कराने की दिशा में हो रहे शोध और नवाचारों को राज्य सरकार हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेक्का क्लाइमेट फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट श्री क्ले स्ट्रेंजर और सुश्री सीमा पॉल, यूनिवर्सिटी ऑफ़ केलिफोर्निया बर्कले के इंडिया एनर्जी एंड क्लाइमेट सेंटर (आईईसीसी) के सीनियर एडवाइजर श्री मोहित भार्गव से मंत्रालय में हुई सौजन्य भेंट के दौरान यह बात कही। बैठक में सहयोग के उद्देश्यों पर चर्चा के साथ स्वच्छ एवं सतत् भविष्य के लिये साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने बताया कि यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले के सहयोग से नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल के बीच एमओयू हुआ है। इसके अंतर्गत मैनिट में गुरुवार को 'सेंटर फॉर मिशन ऑन एनर्जी ट्रांजिशन' (सीएमइटी) का शुभारंभ हुआ। यह केन्द्र भारत की भविष्य की ऊर्जा आवश्यकता के क्षेत्र में कार्य करेगा और अकादमिक-नीतिगत और औद्योगिक आवश्यकताओं के दृष्टिगत आवश्यक सुझाव एवं रणनीतियां निर्धारित करने में सहयोग देगा। मैनिट भोपाल के निदेशक श्री के.के. शुक्ला ने कहा कि कैलेफोर्निया विश्वविद्यालय बर्कले एवं ग्लोबल पार्टर्नर के सहयोग से प्रारंभ केन्द्र भारत में ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिये अकादमिक नीति निर्माण तथा औद्योगिक क्षेत्रों के बीच उत्कृष्ट सहयोग को दर्शाती है। कार्यक्रम में ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी संस्थाएं जीआईज़ेड, सीईईडब्ल्यू, डब्ल्यू आरआई, सीएसआईएस और शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मुरीद हुए कांग्रेस के सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्दरमैया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद दिया। कर्नाटक के सीएम ने इस वर्ष दशहरा समारोह के दौरान मैसूर में भारतीय वायु सेना के एअर शो को मंजूरी देने के लिए रक्षा मंत्री को शुक्रिया कहा है। इसके साथ ही उन्हें इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

दरअसल, कर्नाटक सरकार ने एक पत्र लिख कर एयर शो उत्सव की अनुमति मांगी थी। पत्र में कहा गया था कि यह एअर शो उत्सव की भव्यता को बढ़ाएगा और मैसूर आने वाले बड़ी संख्या में आगंतुकों में गर्व की भावना पैदा करेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दिया न्योता- बता दें कि इस पत्र में सिद्दरमैया ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति कर्नाटक के लोगों को प्रोत्साहित करेगी और सशस्त्र बलों के प्रति उनके सम्मान को और मजबूत करेगी।

बता दें कि गुरुवार को सीएम कार्यालय द्वारा मीडिया के साथ शेयर किए गए एक पत्र में सीएम सिद्दरमैया ने समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मैसूर में स्वागत किया।

प्राप्त जानकारी क अनुसार, मैसूर दशहरा 2025, नाडा हब्बा या कर्नाटक का राजकीय उत्सव, इस वर्ष 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

तुम बांग्लादेशी हो... कहते ही पीटने लगे, कलकत्ता विश्वविद्यालय के छात्रों से मारपीट के बाद सियालदह में तनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ हिंदी भाषी व्यापारियों पर सियालदह में कलकत्ता विश्वविद्यालय के छात्रों को बांग्लादेशी कहकर पीटने का आरोप लगा है। बुधवार रात सियालदह रेल ब्रिज इलाके में हुई इस घटना से तनाव फैल गया। पिटाई से चार छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ितों ने मुचिपाड़ा पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल कवर की कीमत पर हुआ विवाद - कलकत्ता विश्वविद्यालय के चार छात्रों को उत्तरी कोलकाता के सियालदह थाना क्षेत्र में हिंदी भाषी व्यापारियों के एक समूह ने बंगाली बोलने पर पीटा। छात्रों के बीच मोबाइल फोन कवर की कीमत को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह घटना बुधवार रात की है और छात्रों ने मुचिपारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

बंगाली भाषा बोलने पर पिटाई- इस घटना के सिलसिले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। घायल छात्रों को इलाज के लिए कलकत्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया है।

क्या अदालतों के हाथ बांधे जा सकते हैं? राज्यपालों के मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने क्यों की ये टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र से पूछा कि अगर संवैधानिक पदाधिकारी अपने कार्य करने से इनकार कर दें या राज्य विधानसभाओं की ओर से पारित विधेयकों पर राज्यपाल की ओर से कोई कार्रवाई न हो, तो क्या संवैधानिक अदालतों के हाथ बांधे जा सकते हैं?

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर कुछ राज्यपाल विधानसभा से पारित विधेयकों पर रोक लगाते हैं, तो राज्यों को न्यायिक समाधान के बजाय राजनीतिक समाधान तलाशने होंगे।

किस मामले पर हो रही सुनवाई- पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं। ये बेंच एक राष्ट्रपति संदर्भ पर सुनवाई कर रही है, जिसमें यह प्रश्न पूछा गया है कि क्या न्यायालय राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर विचार करने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकता है। पीठ ने कहा कि अगर कोई गड़बड़ी हुई है, तो उसका समाधान होना चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने सीजेआई के सवाल का दिया ये जवाब- सीजेआई गवई ने तब मेहता से पूछा, अगर संवैधानिक पदाधिकारी बिना किसी कारण के अपने कार्यों का निर्वहन नहीं करते हैं, तो क्या संवैधानिक न्यायालय के हाथ बंधे हो सकते हैं? मेहता ने कहा कि सभी समस्याओं के लिए अदालतें समाधान नहीं हो सकतीं और लोकतंत्र में बातचीत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

लिपुलेख पर नेपाल का दावा ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित नहीं, भारत ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बुधवार को लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने के भारत और चीन के फैसले पर नेपाल की आपत्ति को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया और कहा कि इस क्षेत्र पर काठमांडू का दावा उचित नहीं है और न ही ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है। भारत और चीन मंगलवार को लिपुलेख दर्रे और दो अन्य व्यापारिक बिंदुओं के माध्यम से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने पर सहमत हुए है।

नेपाली विदेश मंत्रालय ने बुधवार को लिपुलेख दर्रे के जरिए सीमा व्यापार फिर से शुरू करने के कदम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह क्षेत्र नेपाल का अभिन्न अंग है। 2020 में, नेपाल ने एक राजनीतिक मानचित्र जारी करके सीमा विवाद को जन्म दिया था, जिसमें कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख को देश का हिस्सा दिखाया गया था। भारत ने इन दावों का कड़ा विरोध किया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नेपाल के क्षेत्रीय दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमने लिपुलेख दर्रे के जरिए भारत और चीन के बीच सीमा व्यापार फिर से शुरू करने के संबंध में नेपाल के विदेश मंत्रालय की टिप्पणियों पर ध्यान दिया है। इस संबंध में हमारी स्थिति निरंतर और स्पष्ट रही है। लिपुलेख दर्रे के जरिए भारत और चीन के बीच सीमा व्यापार 1954 में शुरू हुआ था और दशकों से चल रहा है।

यूपी से बिहार के लिए शुरु की गई सीधी बस सेवा, सातों दिन चलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आलमबाग बस टर्मिनल से मुजफ्फरपुर की बस सेवा शुरू होने के बाद अब वाराणसी से गया के लिए विशेष बस सेवा का संचालन होगा। सरकार ने पितृपक्ष के दौरान पिंडदान व तर्पण के लिए गया बिहार जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बस शुरू कर रही है। बस सप्ताह में सातों दिन चलेगी। इनमें यात्रियों की सुरक्षा व सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया है। परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया, बस सेवा से पितृपक्ष में लोग गया आसानी से पहुंच सकेंगे।

न्यूक्लियर रिएक्टर, दवाईयां और ऑर्गेनिक केमिकल्स, दोस्त रूस को ये चीजें Export करता है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका से टैरिफ वॉर के बीच भारत और रूस की दोस्ती एक बार फिर दुनिया के लिए मिसाल बन कर उभरी है। एक ओर जहां ट्रंप प्रशासन भारत के टैरिफ बम की धमकी दे रहा है।

वहीं दूसरी ओर इंडिया का सदाबहार दोस्त रूस भारत के पीछे चट्टान की तरह खड़ा है। रूस ने तो तेल पर भारत को 5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट देने का वादा भी किया है।

इसके अलावा रूस ने प्रॉमिस की किया है कि वह भारत को सुदर्शन चक्र एअर डिफेंस सिस्टम बनाने में मदद करेगा। इस बीच हम आपको बताएंगे कि भारत औ रूस के बीच ट्रेड कितना होता है और भारत रूस को क्या-क्या बेचता है?

रूस और भारत के बीच क्या ट्रेड का ग्राफ- भारत और रूस के बीच अभी 6.87 लाख करोड़ रु. का द्विपक्षीय व्यापार है। यह सालाना 10त्न की दर से बढ़ रहा है। उम्मीद है कि साल 2030 तक ये 8 लाख करोड़ रु. से ज्यादा हो जाएगा।

बता दें भारत रूस को महज 44 हजार करोड़ रु. का उत्पाद निर्यात करता है। भारत का रूस को निर्यात हर साल 8.4% की दर से बढ़ रहा है।

भारत क्या करता है निर्यात- भारत करीब 122 उत्पाद रूस को बेच रहा है। 2014 की तुलना में अभी रूस को मोबाइल फोन 78 गुना, फार्मास्युटिकल 2 गुना, इंजीनियरिंग उपकरण 78त्न और कृषि उत्पादों का निर्यात 2 गुना बढ़ चुका है।

ट्रंप की अब तक की सबसे बड़ी गलती, भारत पर टैरिफ लगाने US राष्ट्रपति को अपनों ने ही लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी (25+25 फीसदी) टैरिफ लगाने का फैसला किया है। भारत पर लगे एक्स्ट्रा टैरिफ 27 अगस्त से लागू होने वाला है। ट्रंप के फैसले का विरोध न सिर्फ भारत में बल्कि अमेरिका में भी हो रहा है।

भारतीय-अमेरिकी पत्रकार, राजनीतिक विशेषज्ञ फरीद जकारिया ने भी ट्रंप प्रशासन के फैसले पर चिंता जाहिर की है। न्यूज चैनल सीएनएन को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत पर जबरदस्ती टैरिफ थोपना और पाकिस्तान के साथ रिश्तों को बेहतर बनाना ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी विदेश नीति गलती है।

उन्होंने आगे कहा, ÷अगर ट्रंप अपना रुख बदल भी देते हैं, तो भी नुकसान हो चुका है। भारत का मानना है कि अमेरिका ने अपना असली रंग दिखा दिया है। वह अविश्वसनीय है, और जिसे वह अपना दोस्त कहता है, उसके साथ क्रूरता करने को तैयार है। ट्रंप के इस फैसले से भारत, अमेरिका को लेकर सतर्क हो जाएगा। वहीं, वो रूस और चीन से अपने रिश्तों को और बेहतर बनाएगा।

अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भी टैरिफ को लेकर ट्रंप प्रशासन के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने ट्रंप के इस फैसले को राजनीतिक मूर्खतापूर्ण कदम बताया है। वरिष्ठ अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच बेहतर संबंध बनने में दो दशक लगे हैं, लेकिन ट्रंप के फैसले से इस रिश्ते पर असर पड़ेगा।

इतना ही नहीं भारत पर लगाए टैरिफ पर रिपब्लिकन नेताओं ने भी चिंता जाहिर की है। रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने भारत पर लगाए गए टैरिफ को बेहद गलत और चिंतापूर्ण बताया है। हेली ने भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी में दरार को वाशिंगटन की ओर से एक ÷बड़ी भूल÷ बताया है।

ट्रंप प्रशासन ने भारत पर एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के पीछे अजीबोगरीब तर्क दिया है। अमेरिका का कहना है कि भारत, रूस से तेल खरीद रहा है, जिसकी वजह से भारत अप्रत्यक्ष तौर पर यूक्रेन युद्ध में उसकी मदद कर रहा है।

हालांकि, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ लफ्जों में कहा है कि अमेरिका का ये फैसला समझ से परे है। रही बात तेल खरीदने की तो भारत की तुलना में चीन, रूस से ज्यादा कच्चे तेल खरीदता है।

हम रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार नहीं, वह तो..., विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉस्को की धरती से ट्रंप की खोल दी पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस के दौरे पर हैं। उनका यह दौरा बेहद अहम है। दरअसल, हाल ही में अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसके पीछे अमेरिका ने तर्क दिया है कि वो रूस से कच्चे तेल खरीदता है। भारत रूस से तेल खरीद कर अप्रत्यक्ष तौर पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उसकी मदद कर रहा है। अमेरिका के इस फैसले पर भारत ने नाराजगी जाहिर की है।

वही, रूस में मीडिया से बातचीत करते हुए जयशंकर ने दोहराया कि रूस से तेल खरीदने के बारे में भारत को धमकी देने हैरान करने वाला है।

जयशकंर ने कहा, रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत नहीं, बल्कि चीन है। इसके अलावा, एलएनजी का सबसे बड़ा खरीदार भारत नहीं, बल्कि यूरोपीय संघ है। हम वह देश नहीं हैं जिसका 2022 के बाद रूस के साथ व्यापार में सबसे बड़ा उछाल आएगा। मुझे लगता है कि दक्षिण में कुछ देश हैं। हम एक ऐसा देश हैं, जहां पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी कहते रहे हैं कि हमें विश्व ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए सब कुछ करना चाहिए, जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है। संयोग से, हम अमेरिका से भी तेल ख़रीदते हैं, और यह मात्रा बढ़ी है। इसलिए ईमानदारी से कहूं तो, हम उस तर्क के तर्क से बहुत हैरान हैं, जिसका आपने (मीडिया ने) ज़िक्र किया था।

एक तरफ जहां ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत के खिलाफ कार्रवाई की वहीं, कुछ दिनों पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करते हुए उन्होंने कहा था कि अमेरिका और रूस के बीच व्यापार बढ़ता जा रहा है। यह ट्रंप के दोहरे चरित्र को दर्शाता है।

माइक्रोसॉफ्ट की मदद से गाजा में बम बरसा रहा इजरायल? हेडक्वार्टर्स में कर्मचारियों ने काटा बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट के मुख्यालय में बुधवार को कर्मचारियों के जोरदार प्रदर्शन ने सबको चौंका दिया। गाजा में इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों में कंपनी की तकनीक के इस्तेमाल के खिलाफ नाराज कर्मचारियों ने हंगामा किया। इसके बाद पुलिस ने 18 लोगों को हिरासत में ले लिया।

माइक्रोसॉफ्ट ने वादा किया है कि वह इजरायल की सेना की ओर से उसकी तकनीक के इस्तेमाल की तत्काल जांच करेगा। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी से इजरायल के साथ कारोबारी रिश्ते तुरंत खत्म करने की मांग की है।

दो दिन तक चले इस विरोध प्रदर्शन ने माइक्रोसॉफ्ट को मुश्किल में डाल दिया। मंगलवार को करीब 35 प्रदर्शनकारी कंपनी के ऑफिस के बीच बने प्लाजा में जमा हुए थे। माइक्रोसॉफ्ट के कहने पर वे चले गए, लेकिन बुधवार को प्रदर्शनकारी उग्र हो गए। उन्होंने कंपनी के मशहूर लोगो वाले साइन पर खून जैसे रंग लगा दिया। रेडमंड पुलिस डिपार्टमेंट के मुताबिक, प्रदर्शनकारी हठी हो गए और आक्रामक हो उठे जब उन्हें बताया गया कि वे गैरकानूनी रूप से वहां मौजूद हैं। पुलिस की प्रवक्ता जिल ग्रीन ने कहा, हमने कहा था, कृपया चले जाएं, वरना आपको गिरफ्तार किया जाएगा।

घर में ही घिरे ट्रंप, अब अमेरिकी अर्थशास्त्री ने भी बता दिया भारत में कितना है दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और भारत के बीच अभूतपूर्व व्यापारिक और राजनयिक रिश्तों में तल्खी के बाद अब दुनिया ट्रंप के फैसलों की निंदा कर रही है। दोनों देशों के बीच लगातार सर्द होते रिश्ते का ठीकरा भी ट्रंप के सिर फोड़ा जा रहा है।

प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भारत पर टैरिफ लगाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे अमेरिकी विदेश नीति का सबसे मूर्खतापूर्ण रणनीतिक कदम बताया है। टैरिफ आत्मघाती हैं और ऐसे वक्त में जब वैश्विक गठबंधन पहले से ही तनाव झेलता रहा है, एशिया में अमेरिका के सबसे अहम रिश्तों में से एक को नुकसान पहुंचाने का जोखिम पैदा करते हैं। क्रिस्टल बॉल और सागर एनजेटी के ब्रेकिंग पॉइंट्स शो में एक इंटरव्यू सैक्स ने कहा, भारत पर ये टैरिफ रणनीति नहीं, बल्कि बना बनाया काम बिगाड़ने वाला है। यह अमेरिकी विदेश नीति का सबसे मूर्खतापूर्ण रणनीतिक कदम है।

दशकों तक दुनिया भर की कई सरकारों के आर्थिक सलाह देने वाले जेफरी ने कहा ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का जिक्र करते हुए कहा, भारत पर 25% का पेनल्टी टैरिफ लगाने से ब्रिक्स देशों के बीच रातोंरात मेलजोल बढ़ गया।

बड़ी गलती है, मोदी जी से जल्दी बात करिए..., निक्की हेली ने ट्रंप को क्यों दी ये नसीहत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ को लेकर अपने ही मुल्क में घिर गए हैं। उन्हीं की पार्टी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने भारत पर लगाए गए टैरिफ को बेहद गलत और चिंतापूर्ण बताया है। हेली ने भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी में दरार को वाशिंगटन की ओर से एक ÷बड़ी भूल÷ बताया है।

ट्रंप और पीएम मोदी को मुलाकात करनी चाहिए- संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका की सर्वोच्च प्राथमिकता भारत-अमेरिका संबंधों को फिर से पटरी पर लाना होनी चाहिए, साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच सीधी मुलाकात का आह्वान किया।

चीन आ जाएगा भारत के करीब- बुधवार को प्रकाशित न्यूजवीक के एक लेख में निक्की हेली ने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत-अमेरिका संबंधों में कोई भी दरार चीन को भारत के करीब लाने और वाशिंगटन को दूर करने का मौका देगी। निक्की ने आगे कहा कि चीन का मुकाबला करने के लिए दोनों देशों को साथ आना ही होगा।

भारत की तरक्की अमेरिका के हित में- निक्की हेली ने कहा कि चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका और भारत के बीच साझेदारी कोई बड़ी बात नहीं होनी चाहिए। भारत को पड़ोसी मुल्क के सामने आर्थिक और सैन्य, दोनों ही रूपों में मजबूती से खड़ा करने में मदद करना अमेरिका के हितों की पूर्ति करेगा।

रूसी तेल का हल निकाले भारतः निक्की हेली- हेली ने भारत से रूसी तेल पर ट्रंप की बात को गंभीरता से लेने और व्हाइट हाउस के साथ मिलकर इसका समाधान निकालने का आग्रह भी किया।

इमरान खान को राहत, पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट से मिली बेल; क्या जेल से बाहर आएंगे पूर्व पीएम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लिए राहत की खबर सामने आई है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 9 मई की हिंसा से जुड़े आठ मामलों में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की जमानत याचिकाओं को मंजूरी दे दी।

यह फैसला 2023 के राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों और सरकारी व सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के बाद खान के खिलाफ दर्ज कई मामलों की सुनवाई के दौरान आया। पाकिस्तान मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने न्यायमूर्ति मुहम्मद शफी सिद्दीकी और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब के साथ मिलकर याचिकाओं पर सुनवाई की।

इमरान की रिहाई की संभावना नहीं- डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, जमानत याचिकाओं पर विचार करने के लिए पीठ का पुनर्गठन किया गया था। हालांकि, राहत के बावजूद, इमरान की जल्द रिहाई की संभावना नहीं है।

इमरान 2023 से जेल में हैं और सरकारी तोहफों से जुड़े एक मामले में सजा काट रहे हैं। इसके अलावा 19 करोड़ पाउंड के मामले में भी सजा काट रहे हैं।

9 मई के दंगों से जुड़े कई अन्य मुकदमे अभी भी उनके खिलाफ लंबित हैं। पीटीआई ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में इसे इमरान खान की जीत बताया।

रूस-यूक्रेन के बीच बुरे फंसे ट्रंप, अब जेलेंस्की न कर दी ये फरमाइश, US राष्ट्रपति के इगो पर पुतिन करेंगे वार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन जंग के बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप फंस गए हैं यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उनके साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो यूक्रेन अमेरिका से कड़ी प्रतिक्रिया की उम्मीद करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों युद्धरत देशों के बीच शांति स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया है कि पुतिन, जिनके साथ जेलेंस्की ने आमने-सामने की बैठक की मांग की है, शायद कोई समझौता करने को तैयार न हों।

क्या रूस तैयार होगा- जेलेंस्की ने कहा, मैंने द्विपक्षीय बैठक के प्रस्ताव पर तुरंत प्रतिक्रिया दी, हम तैयार हैं। लेकिन अगर रूसी तैयार नहीं हुए तो क्या होगा? जेलेंस्की ने गुरुवार को कीव में पत्रकारों के साथ एक दिन पहले हुई एक ब्रीफिंग के बाद जारी अपनी टिप्पणी में कहा, अगर रूसी तैयार नहीं होते हैं, तो हम संयुक्त राज्य अमेरिका से कड़ी प्रतिक्रिया देखना चाहेंगे। हाल के दिनों में ट्रंप और उनके रूसी और यूक्रेनी समकक्षों के बीच कूटनीति की झड़ी के बावजूद, शांति का रास्ता अनिश्चित बना हुआ है क्योंकि वाशिंगटन और सहयोगी कीव के लिए सुरक्षा गारंटी पर काम कर रहे हैं। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर व्यापक आक्रमण किया और अब अपने पड़ोसी देश के लगभग 20व हिस्से पर उसका कब्जा है। हाल ही में रूस पूर्वी क्षेत्र में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है, हालांकि संघर्ष अब काफी हद तक विनाशकारी हो गया है।

30 दिन जेल तो हो जाएगा कुर्सी के साथ खेल... अटके बिल पर सरकार क्यों बेफिक्र?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार (20 अगस्त, 2025) को लोकसभा में संविधान (130वां संशोधन) बिल पेश किया। इसके बाद कल संसद में विपक्ष ने जमकर बवाल काटा। इस विधेयक में प्रावधान है कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री अगर पांच साल से ज्यादा की जेल की सजा वाले अपराधों के लिए 30 दिनों से ज्यादा जेल में रहते हैं तो उन्हें पद से बर्खास्त किया जा सकता है।

विपक्ष ने इस विधेयक को कठोर और असंवैधानिक करार दिया और सत्तारूढ़ भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने, गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों को फंसाने, उन्हें जेल में डालने और राज्य सरकारों को अस्थिर करने की योजना का आरोप लगाया। सरकार ने कहा कि यह विधेयक गिरते नैतिक मानकों को ऊपर उठाने और राजनीति में ईमानदारी बनाए रखने के लिए लाया गया है।

इस बिल को लेकर शुरुआत में ही एक दिलचस्प कहानी सामने आती है। संविधान संशोधन विधेयक को दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी है। एनडीए के पास इसे संसद में पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्याबल नहीं है, जब तक कि कांग्रेस जैसी कोई प्रमुख विपक्षी पार्टी इसका समर्थन न करे और विपक्ष ऐसा करने के मूड में कतई नहीं है।

तो सवाल ये उठता है कि सरकार ने इसे संसद में पेश करके एक राजनीतिक तूफान क्यों खड़ा कर दिया, जबकि वो अच्छी तरह से जानती है कि वो मौजूदा स्वरूप में इस बिल को लागू नहीं करा सकती है। दरअसल, असल बात तो इसकी बारीकियों में है। गौर से देखने पर पता चलता है कि यह कानून एक व्यापक धारणा की लड़ाई के लिए बनाया गया है।

आवारा कुत्तों के मुद्दे पर दायर नई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई करने से इनकार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आवारा कुत्तों के मुद्दे पर दायर एक नई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई करने से इनकार कर दिया। यह याचिका आवारा कुत्तों को एमसीडी द्वारा उठाए जाने के खिलाफ दाखिल की गई थी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने इस मामले में कोर्ट से तत्काल सुनवाई की मांग की। वकील ने दलील दी कि एमसीडी ने बिना सुप्रीम कोर्ट के आदेश का इंतजार किए आवारा कुत्तों को उठाने और शेल्टर होम में रखने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

याचिकाकर्ता ने क्या दी दलील- कोर्ट में दायर नई अर्जी में यह तर्क दिया गया कि सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच को अभी यह तय करना है कि दो जजों की बेंच की ओर से दिए गए आदेश यानी आवारा कुत्तों को उठाकर शेल्टर होम में रखने के निर्देश को बरकरार रखा जाए या नहीं। याचिकाकर्ता ने यह भी दलील दी कि एमसीडी का नोटिफिकेशन न्यायिक प्रक्रिया का उल्लंघन है।

इससे पहले 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की बेंच ने आदेश दिया कि दिल्ली-एनसीआर में सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर में भेजा जाए और उन्हें सड़कों पर वापस न छोड़ा जाए।

अहमदाबाद स्कूल में छात्र की हत्या के बाद बवाल; प्रदर्शन कर रहे 500 लोगों के खिलाफ दंगा और मारपीट का मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद के सेवेंथ डे स्कूल में एक छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद शहर में बवाल मच गया। कई लोगों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया तो पुलिस ने 500 से ज्यादा लोगों के खिलाफ दंगा और मारपीट का मामला दर्ज किया है।

स्कूल के ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, भीड़ ने स्कूल के दफ्तर, क्लासरूम और बस पर हमला किया, जिसमें भारी नुकसान हुआ। साथ स्कूल स्टाफ के साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में तो यह भी कहा गया कि यह तोड़फोड़ पुलिस की मौजूदगी में होती रही।

क्या है मामला- 20 अगस्त को अहमदाबाद के खोखरा स्थिति सेवेंथ डे स्कूल में एक छात्र की हत्या कर दी गई। इसके विरोध में गुस्साए लोगों ने जमकर प्रदर्शन हुआ और स्कूल परिसर में तोड़फोड़ की गई। युवा कांग्रेस और एनएसयूआई ने 21 अगस्त को स्कूल बंद का एलान किया। इसके अलावा, विश्व हिंदू परिषद ने भी मणिनगर और इसके आसपास के इलाकों में स्कूल बंद और इलाका बंद का एलान किया।

बढ़ाई की पुलिस सुरक्षा- इसके मद्देनजर पूरे इलाके में पुलिस सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

नौकरी करने के लिए दबाव बनाते थे पत्नी और भाई, गुस्साए शख्स ने दोनों को कुल्हाड़ी से काट डाला

राजस्थान में प्रतापगढ़ जिले के धमोत्तर थाना क्षेत्र के बिल्लीखेड़ा गांव में गुरुवार तड़के दिल दहला देने वाली वारदात हुई। सुबह करीब 4 बजे गांव में सोए लोगों को खबर लगी कि एक ही परिवार पर खौफनाक हमला हो गया है। आरोपी प्रेमचंद ने कुल्हाड़ी से पत्नी और बड़े भाई की बेरहमी से हत्या कर दी, वहीं बेटे और भतीजे पर भी हमला किया।

पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य ने बताया कि आरोपी सबसे पहले अपने बड़े भाई मूलचंद के घर पहुंचा और अचानक कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी। भाई को बचाने पहुंचे मूलचंद के बेटे मनोज को भी उसने लहूलुहान कर दिया। इसके बाद आरोपी घर लौटा और पत्नी सविता को मौत के घाट उतार दिया।

गांव वालों ने दबोचा आरोपी- इसी दौरान उसने अपने बेटे संतोष पर भी वार किया, लेकिन संतोष किसी तरह जान बचाकर भाग निकला। मनोज गंभीर रूप से घायल है और जिला अस्पताल में भर्ती है। डबल मर्डर के बाद प्रेमचंद गांव में अपने बच्चों को ढूंढ रहा था। आशंका है कि वह पूरे परिवार को खत्म कर खुदकुशी करना चाहता था। तभी ग्रामीणों ने उसके इरादे भांप लिए। लोगों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया।

वारदात के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। एफएसएल और मोबाइल यूनिट ने मौके से साक्ष्य जुटाए, जबकि एसपी आदित्य ने खुद मौके पर पहुंचकर जांच की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी पत्नी और बड़े भाई से नाराज था। उसका कहना था कि दोनों उस पर काम का दबाव डालते थे और तंग करते थे। इसी रंजिश में उसने खौफनाक कदम उठाया।

हर समस्या का समाधान अदालत से नहीं होगा..., प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर SC में सुनवाई के दौरान सरकार का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार में सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हर समस्या का समाधान सुप्रीम कोर्ट द्वारा ही किया जाए, ये जरूरी नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर हो रही सुनवाई के दौरान ये तर्क दिया।

केंद्र ने कहा कि कुछ मुद्दों पर मुख्यमंत्री की प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के साथ बातचीत होनी चाहिए। सरकार ने कहा कि हर मामले में न्यायिक समाधान के बजाय राजनीतिक समाधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ये सुनवाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा अप्रैल में विधेयकों को पारित करने की समयसीमा तय किए जाने के बाद राष्ट्रपति ने रेफरेंस भेजकर कोर्ट से कुछ सवाल पूछे थे।

राष्ट्रपति के रेफरेंस पर हो रही सुनवाई- दरअसल तमिलनाडु, केरल और पंजाब जैसे कुछ गैर-भाजपा शासित राज्यों ने आरोप लगाए थे कि विधानसभा से पारित विधेयकों को राज्यपाल द्वारा जानबूझकर रोका जा रहा है। तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल आरएन रवि के बीच तकरार सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई और फिर अप्रैल में शीर्ष अदालत ने ऐतिहासिक फैसला देते हुए विधेयकों को राज्यपाल या राष्ट्रपति द्वारा 30 दिनों के भीतर मंजूरी दिए जाने की समयसीमा तय किया।

कोर्ट के इस आदेश के बाद राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत मिले अधिकार का इस्तेमाल करते हुए कोर्ट से रेफरेंस मांगा था। इस पर सुनवाई के लिए गठित पीठ के सामने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क देते हुए कहा कि अगर कुछ राज्यपाल विधेयकों पर अड़े भी हुए हैं, तो न्यायिक समाधान की जहर राजनीतिक समाधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, ऐसे समाधान हो भी रहे हैं। मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से मिलकर अनुरोध करते हैं, राष्ट्रपति से मिलते हैं। कहते हैं कि ये विधेयक लंबित हैं, कृपया राज्यपाल से बात कर उन्हें निर्णय लेने को कहें। ये मुद्दे टेलीफोन पर सुलझाए जा सकते हैं।

मेरा ही नहीं यह पूरे देश का मिशन था, ISS से लौटने के बाद पहली बार शुभांशु शुक्ला ने शेयर किया अनुभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सफल मिशन के बाद गुरुवार को दिल्ली में अपने अनुभव को साझा किया। इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन के साथ एक संयुक्त पीसी में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अपने अंतरिक्ष मिशन के अनुभवों के बारे में जानकारी दी।

प्रेस ब्रीफिंग के दौरान शुभांशु शुक्ला ने कहा कि यह पूरे देश का मिशन था। यह अनुभव ज़मीनी स्तर पर मिलने वाले अनुभवों से बहुत अलग है। उन्होंने आगे कहा कि मैं भारत सरकार, इसरो और शोधकर्ताओं का धन्यवाद करना चाहता हूं।

इसरो चीफ ने कही ये बात- दिल्ली में आयोजित इस पीसी को संबोधित करते हुए इसरो के अध्यक्ष डॉ. नारायणन ने कहा कि 2015 से 2025 तक इसरो के मिशन 2005 और 2015 के बीच पूरे किए गए मिशनों से लगभग दोगुने हैं। इसके साथ ही डॉ. नारायणन ने हाल के भारत के स्पेस क्षेत्र की उपलब्धियों के पर जोर दिया। इसमें पिछले छह महीनों में तीन प्रमुख मिशनों का सफलतापूर्वक पूरा होना भी शामिल है।

इस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए इसरो अध्यक्ष ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रगति अभूतपूर्व और तीव्र रही है। 2015 से 2025 तक पूरे किए गए मिशन 2005 से 2015 तक पूरे किए गए मिशनों की संख्या से लगभग दोगुने हैं। पिछले 6 महीनों के दौरान, तीन महत्वपूर्ण मिशन पूरे किए गए हैं। एक्सिओम-4 मिशन एक प्रतिष्ठित मिशन है।

गगनयात्री प्रशांत नायर ने शुभांशु को बताया राम- इस पीसी के दौरान एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। इस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए गगनयात्री प्रशांत नायर ने शुभांशु शुक्ला को अपना भाई बताया। इसके साथ ही कहा कि वह राम के लक्ष्मण हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

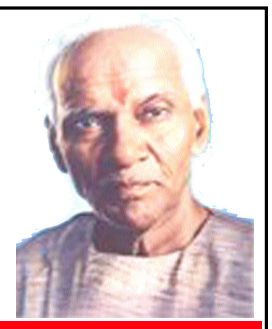

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थदशी

संपादकीय

भारत एक युवा देश है, यहाँ की आधी से अधिकआबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है...

भारत एक युवा देश है। यहाँ की आधी से अधिकआबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है और इस युवा शक्ति को ही नवभारत का भविष्य कहा जाता है। परंतु यही युवा आज एक ऐसे जाल में फंसते जा रहे हैं जो मनोरंजन के नाम पर धीरे-धीरे उन्हें शारीरिक, मानसिक और आर्थिक अंधकार की ओर धकेल रहा है। यह जाल है ऑनलाइन गेमिंग का अनियंत्रित विस्तार। मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की सुलभता ने भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को विशाल बना दिया है। आज स्थिति यह है कि लगभग 50 करोड़ भारतीय युवा किसी-न-किसी रूप में ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े हुए हैं। इनमें से लाखों युवा इसकी लत के शिकार हो चुके हैं।इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 संसद में प्रस्तुत किया जो पास हो गया।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि पिछले दस वर्षों में भारत में इंटरनेट उपयोग कर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। सस्ते स्मार्टफोन और डेटा पैक की वजह से आज गाँव-गाँव तक इंटरनेट पहुंच चुका है। इस इंटरनेट क्रांति का एक सबसे बड़ा प्रभाव ऑनलाइन गेमिंग के रूप में सामने आया। पीयूबीजी, फ्री फायर,बीजीएमआई, कॉल ऑफ़ ड्यूटी और विभिन्न फैंटास्टि स्पोर्ट्स जैसे गेम युवाओं में इस कदर लोकप्रिय हो गए कि वे पढ़ाई, खेल-कूद और सामाजिक जीवन से दूर होकर वर्चुअल दुनियाँ में खोते चले गए। 20 अगस्त 2025 को देर शाम केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने संसद भवन के बाहर कहा कि यह कानून इसलिए ज़रूरी हो गया क्योंकि ऑनलाइन गेमिंग ने करोड़ों युवाओं को अंधकार में डाल दिया है और समाज से बड़े पैमाने पर फीडबैक प्राप्त हुआ कि अब इसे नियंत्रित करना ही पड़ेगा, आज के युग में डिजिटल टेक्नोलॉजी में ऑनलाइन गेमिंग एक बड़ा सेक्टर बनकर उभरा है। ऑनलाइन गेमिंग के तीन सेगमेंट्स हैं-पहला- ई-स्पोर्ट्स, दूसरा- ऑनलाइन सोशल गेमिंग और तीसरा- ऑनलाइन मनी गेमिंग।इस बिल के माध्यम से ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को प्रमोट किया जाएगा और इसको सपोर्ट भी मिलने की उम्मीद है। हमारे द्वारा एक अथॉरिटी बनाई जाएगी, जिसके माध्यम से ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा दिया जाएगा ऑनलाइन मनी गेमिंग समाज के लिए सही नहीं है। कुछ गेम्स ऐसे हैं, जिनमें परिवार की जिंदगीभर की बचत ऑनलाइन गेम में चली जाती है।

साथियों बात अगर हम डब्लूएचओ द्वारा गेमिंग डिसऑर्डर एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या व भारत सरकार ने इस समस्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा मानते हुए हस्तक्षेप करने की करें तो,विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2019 में ही गेमिंग डिसऑर्डर को मानसिक स्वास्थ्य की श्रेणी में शामिल किया था। डब्लूएचओ का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति लंबे समय तक ऑनलाइन गेम में इतना डूब जाए कि उसके पढ़ाई-लिखाई,रोजगार नींद, खान-पान, सामाजिक संबंध और पारिवारिक जीवन पर प्रतिकूल असर पड़े, तो यह एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है।

भारत में भी कई राज्यों में ऐसी घटनाएँ सामने आईं जहाँ बच्चे और किशोर ऑनलाइन गेम हारने के बाद तनाव, डिप्रेशन और यहाँ तक कि आत्महत्या तक कर बैठे। माता-पिता ने शिकायत की कि उनके बच्चे मोबाइल स्क्रीन से अलग नहीं हो पा रहे, नींद पूरी नहीं हो रही, आँखों की रोशनी प्रभावित हो रही है, और पैसे खर्च करने की आदत भी नियंत्रण से बाहर जा रही है।इन्हीं कारणों से भारत सरकार ने इस समस्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा मानते हुए हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया।

हरिशंकर परसाई

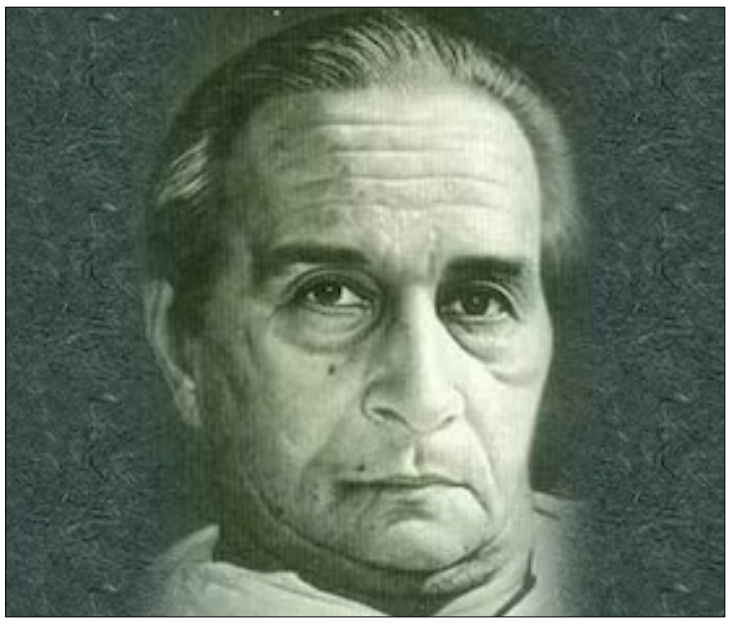

हरिशंकर परसाई हिंदी के प्रसिद्ध लेखक और व्यंग्यकार थे। ये हिंदी के पहले रचनाकार थे, जिन्होंने व्यंग्य को विधा का दर्जा दिलाया और उसे हल्के-फुल्के मनोरंजन की परंपरागत परिधि से उबारकर समाज के व्यापक प्रश्नों से जोड़ा। उनकी व्यंग्य रचनाएँ हमारे मन में गुदगुदी ही पैदा नहीं करतीं, बल्कि हमें उन सामाजिक वास्तविकताओं के आमने-सामने खड़ा करती हैं, जिनसे किसी भी व्यक्ति का अलग रह पाना लगभग असंभव है। लगातार खोखली होती जा रही हमारी सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था में पिसते मध्यमवर्गीय मन की सच्चाइयों को हरिशंकर परसाई ने बहुत ही निकटता से पकड़ा है। सामाजिक पाखंड और रूढ़िवादी जीवनमूल्यों की खिल्ली उड़ाते हुए उन्होंने सदैव विवेक और विज्ञान सम्मत दृष्टि को सकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया है। उनकी भाषा-शैली में एक ख़ास प्रकार का अपनापन नज़र आता है।

जीवन परिचय

हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त, 1922 को मध्य प्रदेश के होशंगाबाद ज़िले में जमानी नामक गाँव में हुआ था। गाँव से प्राम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे नागपुर चले आये थे। नागपुर विश्वविद्यालय से उन्होंने एम. ए. हिंदी की परीक्षा पास की। कुछ दिनों तक उन्होंने अध्यापन कार्य भी किया। इसके बाद उन्होंने स्वतंत्र लेखन प्रारंभ कर दिया। उन्होंने जबलपुर से साहित्यिक पत्रिका वसुधा का प्रकाशन भी किया, परन्तु घाटा होने के कारण इसे बंद करना पड़ा। हरिशंकर परसाई जी ने खोखली होती जा रही हमारी सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था में पिसते मध्यमवर्गीय मन की सच्चाइयों को बहुत ही निकटता से पकड़ा है। उनकी भाषा-शैली में ख़ास किस्म का अपनापन है, जिससे पाठक यह महसूस करता है कि लेखक उसके सामने ही बैठा है।

कार्यक्षेत्र

मात्र अठारह वर्ष की उम्र में हरिशंकर परसाई ने जंगल विभाग में नौकरी की। वे खण्डवा में छ- माह तक बतौर अध्यापक भी नियुक्त हुए थे। उन्होंन ए दो वर्ष (1941-1943 में) जबलपुर में स्पेस ट्रेनिंग कॉलिज में शिक्षण कार्य का अध्ययन किया। 1943 से हरिशंकर जी वहीं मॉडल हाई स्कूल में अध्यापक हो गये। किंतु वर्ष 1952 में हरिशंकर परसाई को यह सरकारी नौकरी छोड़ी। उन्होंने वर्ष 1953 से 1957 तक प्राइवेट स्कूलों में नौकरी की। 1957 में उन्होंने नौकरी छोड़कर स्वतन्त्र लेखन की शुरूआत की।

पूछिये परसाई से

हरिशंकर परसाई जबलपुर-रायपुर से निकलने वाले अख़बार देशबंधु में पाठकों द्वारा पूछे जाने वाले उनके अनेकों प्रश्नों के उत्तर देते थे। अख़बार में इस स्तम्भ का नाम था- ÷पूछिये परसाई से÷। पहले इस स्तम्भ में हल्के इश्किया और फ़िल्मी सवाल पूछे जाते थे। धीरे-धीरे परसाईजी ने लोगों को गम्भीर सामाजिक-राजनीतिक प्रश्नों की ओर भी प्रवृत्त किया। कुछ समय बाद ही इसका दायरा अंतर्राष्ट्रीय हो गया। यह सहज जन शिक्षा थी। लोग उनके सवाल-जवाब पढ़ने के लिये अख़बार का बड़ी बेचैनी से इंतज़ार करते थे।

साहित्यिक परिचय

हरिशंकर परसाई जी की पहली रचना स्वर्ग से नरक जहाँ तक है, जो कि मई, 1948 में प्रहरी में प्रकाशित हुई थी, जिसमें उन्होंने धार्मिक पाखंड और अंधविश्वास के ख़िलाफ़ पहली बार जमकर लिखा था। धार्मिक खोखला पाखंड उनके लेखन का पहला प्रिय विषय था। वैसे हरिशंकर परसाई कार्लमार्क्स से अधिक प्रभावित थे। परसाई जी की प्रमुख रचनाओं में सदाचार का ताबीज प्रसिद्ध रचनाओं में से एक थी जिसमें रिश्वत लेने देने के मनोविज्ञान को उन्होंने प्रमुखता के साथ उकेरा है।

रचनाएँ

निबंध संग्रह
तब की बात और थी
भूत के पाँव पीछे
बेईमानी की परत
पगडण्डियों का जमाना
शिकायत मुझे भी है
सदाचार का ताबीज
और अंत मे
प्रेमचन्द के फटे जूते
माटी कहे कुम्हार से
काग भगोड़ा
कहानी संग्रह
हँसते हैं रोते हैं
जैसे उनके दिन फिरे
भोलाराम का जीव
दो नाकवाले लोग
उपन्यास
रानी नागफनी की कहानी
तट की खोज
ज्वाला और जल
व्यंग्य संग्रह
वैष्णव की फिसलन
ठिठुरता हुआ गणतंत्र
विकलांग श्रद्धा का दौरा
संस्मरण
तिरछी रेखाएँ

साहित्यिक विशेषताएँ

पाखंड, बेईमानी आदि पर परसाई जी ने अपने व्यंग्यों से गहरी चोट की है। वे बोलचाल की सामान्य भाषा का प्रयोग करते हैं और चुटीला व्यंग्य करने में परसाई जी बेजोड़ हैं।

भाषा शैली

हरिशंकर परसाई की भाषा में व्यंग्य की प्रधानता है। उनकी भाषा सामान्य और संरचना के कारण विशेष क्षमता रखती है। उनके एक-एक शब्द में व्यंग्य के तीखेपन को स्पष्ट देखा जा सकता है। लोकप्रचलित हिंदी के साथ-साथ उर्दू, अंग्रेज़ी शब्दों का भी उन्होंने खुलकर प्रयोग किया है। परसाईजी की अलग-अलग रचनाओं में ही नहीं, किसी एक रचना में भी भाषा, भाव और भंगिमा के प्रसंगानुकूल विभिन्न रूप और अनेक स्तर देखे जा सकते हैं। प्रसंग बदलते ही उनकी भाषा-शैली में जिस सहजता से वांछित परिवर्तन आते-जाते हैं, और उससे एक निश्चित व्यंग्य उद्देश्य की भी पूर्ति होती है, उनकी यह कला, चकित कर देने वाली है। परसाईजी की एक रचना की यह पंक्तियाँ कि- आना-जाना तो लगा ही रहता है। आया है, सो जाएगा- राजा रंक फ़कीर में सूफ़ियाना अंदाज़है, तो वहीं दूसरी ओर ठेठ सड़कछाप दवाफरोश की यह बाकी अदा भी दर्शनीय है- निंदा में विटामिन और प्रोटीन होते हैं। निंदा खून साफ करती है, पाचन-क्रिया ठीक करती है, बल और स्फूर्ति देती है। निंदा से मांसपेशियाँपुष्ट होती हैं। निंदा पायरिया का तो शर्तिया इलाज है।

संतों का प्रसंग आने पर हरिशंकर परसाई का शब्द वाक्य-संयोजन और शैली, सभी कुछ एकदम बदल जाता है, जैसे- संतों को परनिंदा की मनाही होती है, इसलिए वे स्वनिंदा करके स्वास्थ्य अच्छा रखते हैं। मो सम कौन कुटिल खल कामी- यह संत की विनय और आत्मस्वीकृति नहीं है, टॉनिक है। संत बड़ा काइंयां होता है। हम समझते हैं, वह आत्मस्वीकृति कर रहा है, पर वास्तव में वह विटामिन और प्रोटीन खा रहा है। एक अन्य रचना में वे पैसे में बड़ा विटामिन होता है लिखकर ताकत की जगह विटामिन शब्द से वांछित प्रभाव पैदा कर देते हैं, जैसे बुढ़ापे में बालों की सफेदी के लिए सिर पर कासं फूल उठा या कमज़ोरी के लिए टाईफाइड ने सारी बादाम उतार दी। जब वे लिखते हैं कि उनकी बहू आई और बिना कुछ कहे, दही-बड़े डालकर झम्म से लौट गई तो इस झम्म से लौट जाने से ही झम्म-झम्म पायल बजाती हुई नई-नवेली बहू द्वारा तेज़ीसे थाली में दही-बड़े डालकर लौटने की समूची क्रिया साकार हो जाती है। एक सजीव और गतिशील बिंब मूर्त्त हो जाता है। जब वे लिखते हैं कि- मौसी टर्राई या अश्रुपात होने लगा तो मौसी सचमुच टर्राती हुई सुन पड़ती है और आंसुओं की झड़ी लगी नजर आती है। टर्राई जैसे देशज और अश्रुपात जैसे तत्सम शब्दों के बिना रचना में न तो यह प्रभाव ही उत्पन्न किया जा सकता था और न ही इच्छित व्यंग्य।

सम्मान और पुरस्कार

साहित्य अकादमी पुरस्कार - विकलांग श्रद्धा का दौर के लिए
शिक्षा सम्मान - मध्य प्रदेश शासन द्वारा
डी.लिट् की मानद उपाधि - जबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा
शरद जोशी सम्मान

निधन

अपनी हास्य व्यंग्य रचनाओं से सभी के मन को भा लेने वाले हरिशंकर परसाई का निधन 10 अगस्त, 1995 को जबलपुर, मध्य प्रदेश में हुआ। परसाई जी मुख्यतः व्यंग लेखक थे, किंतु उनका व्यंग केवल मनोरंजन के लिए नहीं है। उन्होंने अपने व्यंग के द्वारा बार-बार पाठकों का ध्यान व्यक्ति और समाज की उन कमज़ोरियों और विसंगतियों की ओर आकृष्ट किया था, जो हमारे जीवन को दूभर बना रही हैं।

AC खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो 2 महीने रुक जाइए, कंपनी के चेयरमैन ने बताया GST कट से कितने घट सकते हैं दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त के मौके पर जब से पीएम मोदी ने जीएसटी रिफॉर्म का ऐलान किया है तब से आम आदमी इस बात को लेकर खुश है कि आने वाले दिनों में कई सामानों के दाम घट जाएंगे। सरकार ने अब जीएसटी में 18 और 5 फीसदी के दो ही स्लैब रखने का प्रस्ताव रखा है। वर्तमान में 0 प्रतिशत, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18, और 28 प्रतिशत का स्लैब है। नए प्रस्ताव में जरूरी वस्तुओं पर टैक्स में कटौती भी शामिल है,जिससे कंजम्शन बढ़ सके। इस रिफॉर्म के बाद टैक्स कम होने से रोजमर्रा और जरूरत की कई चीजें सस्ती हो जाएंगी। ऐसे में लोगों ने एसी और कार समेत कई सामानों की खरीदारी थोड़े समय के लिए टाल दी है।

अगर आप इलेक्ट्रॉनिक आइट्मस में खासकर एयर कंडीशनर लेना चाह रहे हैं तो थोड़ा इंतजार कर लीजिए। ऐसा इंडस्ट्री से जुड़े दिग्गज लोग कह रहे हैं।

पैनासॉनिक लाइफ सॉल्युशंस इंडिया के चेयरमैन, मनीष शर्मा ने कहा कि दरअसल, कंज्यूमर ड्यूरेबल प्रोडक्ट्स से जुड़ी इंडस्ट्री ने एक अलग जीएसटी स्ट्रक्चर की उम्मीद की थी, जिसमें एनर्जी-एफिशिएंट प्रोडक्ट्स पर 12% और अन्य पर 18% की दर से जीएसटी लगाया जाए।

एयर-कंडीशनर और अन्य घरेलू गैजेट्स जैसी कैटेगरीज पर 28% से 18त्न तक जीएसटी, प्रोडक्ट्स के बाजार मूल्य में लगभग 6-7% की प्रत्यक्ष कमी आएगी, क्योंकि जीएसटी आधार मूल्य पर लगाया जाता है। इस बदलाव से एक AC की कीमत 1,500-2,500 तक कम हो सकती है।

Mutual Fund SIP निवेश शुरू करने का सही समय क्या है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज हर किसी के पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड शामिल है। इसका कारण है कि इसमें आकर्षक रिटर्न मिलता है। म्यूचुअल फंड में न्यूनतम अनुमानित रिटर्न 12 से 14 फीसदी है। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है।

निवेशकों के मन में म्यूचुअल फंड एसआईपी को लेकर कई सवाल रहते हैं। मसलन म्यूचुअल फंड एसआईपी शुरू करने का सही समय या उम्र क्या है। इसे लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं कि उन्होंने इस पर क्या राय दी है?

टाटा एसेट मैनेजमेंट के हेड प्रोडक्ट शैली गेंग ने हमारे इस सवाल का जवाब दिया है। उन्होंने कहा इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि आपने कब निवेश शुरू किया है। इस बात से पड़ता है कि आपने कितने समय तक निवेश किया है।

एक्सपर्ट के द्वारा बताई गई कुछ महत्वपूर्ण तथ्य-

चक्रवृद्धि ब्याज के कारण, जैसे-जैसे आप बाजार में ज्यादा समय बिताते हैं, निवेश रकम में रिटर्न जुड़ता रहता है।

निवेशक ये इंतजार करते हैं कि कब बाजार में भारी गिरावट आए और वो निवेश करें, ये सही नहीं है।

उनका कहना है कि जो निवेशक उस समय बाजार के मौजूदा स्तरों पर पहले स्ट्रक्क शुरू करता है। वे दूसरे निवेशक की तुलना में ज़्यादा रिटर्न पा सकता है, जो निचले स्तर पर पहुँचने का इंतज़ार करता है क्योंकि दूसरा निवेशक ऐसा कर बाजार में कम समय बिताएगा।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना के जरिए सिर्फ इन लोगों को ही मिलेंगे 15000

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से युवाओं के लिए प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना को शुरू करने का ऐलान किया था। इस योजना के जरिए बेरोजगार युवाओं की मदद की जाएगी। इस योजना के जरिए सरकार युवाओं को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी मुहैया कराएगी। लेकिन ये राशि सभी को नहीं मिलेगी।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 15 हजार रुपये पाने की कुछ शर्तें भी हैं। जो युवा इन शर्तों को पार करेंगे उन्हें ही सहायता राशि मिलेगी।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने 18 अगस्त को संवाददाताओं को बताया कि 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्र सरकार की योजना को 1 जुलाई, 2025 को मंजूरी दी गई थी और इसका उद्देश्य 1 अगस्त, 2025 से 31 जुलाई, 2027 तक दो साल की अवधि में भारत में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है।

श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख एल मंडाविया के अनुसार, भारत में सभी नियोक्ता और पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारी PMVBRY के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने आगे बताया कि योजना का भाग A पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों पर लागू होता है, जबकि भाग B नियोक्ताओं के लिए है। मंत्रालय ने एक नोट में कहा कि 1 लाख तक के सकल वेतन वाले कर्मचारी भाग A के अंतर्गत इस योजना के पात्र होंगे।

अपने नियोक्ता या UMANG ऐप के माध्यम से अपना यूनिवर्सल अकाउंट नंबर प्राप्त करें।

अपनी वर्तमान नौकरी में कम से कम 6 महीने सफलतापूर्वक पूरे करें।

आपका प्रोत्साहन भुगतान सीधे आपके आधार से जुड़े बैंक खाते में जमा किया जाएगा।

दूसरे प्रोत्साहन भुगतान के लिए अर्हता प्राप्त करने हेतु 12 महीनों के भीतर मानार्थ वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करें।

वहीं, भाग बी सभी क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहन प्रदान करेगा, जिसमें विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

ज़ाकिर खान की नेटवर्थ कितनी है? कहां-कहां से होती है कमाई? एक शो की फीस सुनकर रह जाएंगे हैरान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमेडी की दुनिया में अगर किसी ने आम लोगों की भाषा और दिल की बात कहकर लाखों फैंस बनाए हैं तो वो हैं ज़ाकिर खान। सखूत लौंडा वाली उनकी इमेज और दिल छू लेने वाली कहानियों ने उन्हें घर-घर तक मशहूर कर दिया है।

हाल ही में ज़ाकिर खान ने इतिहास रच दिया, जब वे न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हिंदी में परफॉर्म करने वाले पहले इंडियन कॉमेडियन बने। अब सवाल यह है कि आखिर ज़ाकिर खान की नेटवर्थ कितनी है? वो कहां-कहां से कमाई करते हैं और एक शो के लि कितनी फीस चार्ज करते हैं? तो चलिए समझते हैं।

कितने करोड़ के मालिक हैं ज़ाकिर खान- मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ज़ाकिर खान की कुल नेटवर्थ लगभग 30 से 35 करोड़ रुपए है। उनकी सबसे ज्यादा कमाई स्टैंड-अप कॉमेडी शोज़ से होती है। बताया जाता है कि वो एक शो के लिए 15 से 20 लाख रुपए तक की फीस लेते हैं। बड़े इवेंट्स और विदेशी शोज़ में ये फीस और भी ज्यादा हो सकती है।

ये हैं कमाई के बड़े सोर्स- लाइव शोज़ और टूर- भारत ही नहीं, अमेरिका, कनाडा और यूरोप में ज़ाकिर के शोज़ हाउसफुल रहते हैं।

ओटीटी और डिजिटल कंटेंट- हक से सिंगल, कक्षा ग्यारवी और चाचा विधायक हैं हमारे जैसे उनके स्पेशल्स शो और वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हिट रहे हैं।

किसानों की शिकायत पर HPM केमिकल्स का लाइसेंस निलंबित, इसके कीटनाशक से सोयाबीन की फसल हो रही थी खराब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर कीटनाशक बनाने वाली कंपनी HPM केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई हुई है। राजस्थान में रजिस्टर्ड इस कंपनी का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। कंपनी के कीटनाशक से मध्य प्रदेश में सोयाबीन की फसल खराब होने की शिकायत के बाद यह कदम उठाया गया। जांच में सैंपल घटिया पाए जाने पर FIR भी दर्ज की गई है। कंपनी के सभी उत्पादों पर रोक लगा दी गई है।

नकली कीटनाशक पर बीते दिनों में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को कई शिकायतें मिली। जिसमें बताया गया कि क्लोरिमयूरॉन एथिल नामक हर्बिसाइड खरपतवार नाशक के उपयोग से सोयाबीन की फसलें खराब हुई। इस पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के निर्देशों पर कृषि विभाग ने की तत्काल कार्रवाई की है। बाजार से खरपतवार नाशक के सैम्पल जब्त कर जांच की गई। जांच में हर्बिसाइड के नमूने घटिया पाए गए थे।

शिवराज सिंह कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने ऐसी व्यवस्था की थी, जिसके बेहद अच्छे परिणाम मिले। शिवराज सिंह ने कहा कि समस्याओं के तत्काल और उचित निराकरण से ही किसानों में भरोसा रहेगा।

उन्होंने कहा कि किसानों की संतुष्टि ही हमारा मुख्य ध्येय है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने संदेश भी जारी करते हुए किसान कॉल सेंटर से माध्यम से किसान भाई-बहनों से अपनी शिकायतें टोल फ्री नंबर 18001801551 के जरिए रजिस्टर करवाने की भी बात कही है।

HPM केमिकल्स के फाउंडर किशन दास अग्रवाल हैं। एचपीएम की भारत और विदेशों में कृषि-कीटनाशन उद्योग पर सक्रिय है। यह फसल सुरक्षा उत्पादों और पौध पोषक तत्वों के विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है।

खत्म होंगे 12 और 28% वाले GST स्लैब, मंत्रिसमूह ने कटौती पर लगाई मुहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी रिफॉर्म की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। त्तस्त्र रेट्स को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह ने स्लैब की संख्या में कटौती करने पर सहमति व्यक्त कर दी है। गुरुवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में राज्य मंत्रियों के पैनल ने 4-टैक्स सिस्टम को घटाकर 5त्न और 18% की दो मुख्य स्लैब में लाने की केंद्र की योजना को स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही अब 12 और 28 फीसदी वाले जीएसटी स्लैब खत्म हो जाएंगे।

यह कदम जीएसटी 2.0 की शुरुआत का आगाज है, जिसका मकसद देश में टैक्स प्रणाली को सरल और आसान बनाना है ताकि आम आदमी को इसका लाभ मिल सके।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मऊगंज में पुरानी रंजिश को लेकर दो गुटों में खूनी संघर्ष, तीन घायल

मऊगंज। मऊगंज जिले के बहरी गांव में पुरानी दुश्मनी ने एक बार फिर खूनी रूप ले लिया, जहाँ दो गुटों के बीच हुई भीषण झड़प में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए मऊगंज जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना पुरानी रंजिश के कारण हुई, जिसके चलते दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लाठी-डंडों, तलवारों और यहां तक कि पिस्तौल से भी हमला करने पर उतारू हो गए।

पुलिस के मुताबिक, लगभग एक हफ्ते पहले भी दोनों पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसे कुछ लोगों ने मिलकर शांत करा दिया था। हालाँकि, यह रंजिश मन में सुलगती रही और मंगलवार की रात फिर से दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। एक व्यक्ति ने बताया कि लड़ाई की

शुरुआत गाली-गलौज से हुई। जब उन्होंने झगड़ा न करने की बात कही, तो एक लड़के ने गाली देना शुरू कर दिया, जिसके बाद वे अपने घर के अंदर चले गए। थोड़ी देर बाद जब वे बाहर आए, तो उन्होंने देखा कि बाहर लाठी-डंडे चल रहे थे और गाड़ियाँ तोड़ी जा रही थीं।पीड़ित सोनू पांडे ने बताया कि वह सड़क के पार खड़ा था और वहाँ काफी भीड़ थी।

उन्होंने बताया कि 17 वर्षीय विनय यादव दुकान पर कुछ सामान लेने गया था, जहाँ कुछ दिन पहले हुए विवाद को लेकर उसे तलवार से पीटा गया। जब सोनू और अन्य लोग विनय को बचाने के लिए आगे आए, तो उन पर भी तलवार और पिस्तौल से हमला किया गया।

इस दौरान हमलावरों ने लोगों को धमकाया और जमकर उत्पात मचाया। इस हमले में विनय यादव, सोनू पांडे और मोहम्मद खैराती नामक तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि हमलावरों के पास पिस्तौल कहाँ से आई और इस पूरी घटना में और कौन-कौन लोग शामिल थे।

आयुष्मान योजना को लेकर हर माह सीएम हेल्पलाइन पर हो रही 10 शिकायतें

इंदौर। केंद्र सरकार ने गरीब, जरूरतमंदों के लिए निश्शुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत योजना शुरू की है। जिसमें हर प्रति वर्ष पांच लाख रूपये तक का उपचार करवाया जा सकता है। लेकिन निजी अस्पतालों ने योजना के नाम पर अवैध वसूली शुरू कर दी है।

हाल ही में कनाड़िया क्षेत्र के फिनिक्स अस्पताल से शिकायत मिली है, जांच में आयुष्मान कार्ड धारक मरीज से राशि लेना पाया गया है। लेकिन इस तरह राशि वसूलने का खेल सिर्फ फिनिक्स अस्पताल में ही नहीं बल्कि शहर के कई निजी अस्पतालों में चल रहा है। सीएम हेल्पलाइन पर हर माह करीब 10 शिकायतें आयुष्मान कार्ड धारकों द्वारा वसूली, इलाज नहीं मिलने, लंबे समय तक भर्ती रखने आदि की आती है। यानि हर वर्ष 100 से अधिक शिकायतें होती है।

इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जांच के लिए भी अस्पतालों में जाते हैं। अधिकारियों के मुताबिक इंदौर में 68 निजी अस्पताल और 35 शासकीय अस्पताल जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल है। यहां आयुष्मान योजना के अंतर्गत मरीजों का उपचार होता है।

मरीजों को स्वस्थ होने के बाद भी नहीं करते डिस्चार्ज-शहर के निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के अंतर्गत सबसे अधिक शिकायत इस संबंध में आती है कि मरीजों को स्वस्थ होने के बाद भी यह डिस्चार्ज नहीं करते हैं। छोटी बीमारी में भी उपचार के लिए मरीजों को लंबे समय तक भर्ती रखा जाता है। ताकि मोटा बिल बनाकर राशि ले सकें। लेकिन इस संबंध में कभी बड़ी कार्रवाई होते हुए नजर नहीं आती है।

निजी अस्पतालों पर हो चुकी कार्रवाई-इससे पहले भी मरीजों से राशि वसूलने, मरीजों को जबरन भर्ती करने सहित आयुष्मान से जुड़ी अन्य गड़बड़ी सामने आ चुकी है। यह गड़बड़ी शहर के बड़े निजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में सामने आई थी। जिसकी भोपाल से आई टीम ने जांच की थी और कार्रवाई भी हुई थी।

पाइंटर-इंदौर के 68 निजी अस्पतालों आयुष्मान योजना से इलाज।
शहर के 35 शासकीय अस्पताल, प्राथमिक केंद्रों पर योजना से इलाज।
अस्पतालों में आयुष्मान के अफ्वल के लिए परेशान होते हैं मरीज।
- शिकायतों के बाद अस्पतालों पर नहीं होती बड़ी कार्रवाई

आयुष्मान योजना से संबंधित शिकायत पर जांच टीम बनाकर कार्रवाई की जाती है। जिले के अस्पतालों को सख्त निर्देश दिए है कि जिन अस्पतालों से अतिरिक्त राशि जमा करवाने सहित अन्य गड़बड़ी पाई गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- माधव हासानी, सीएमएचओ

एंबुलेंस नहीं मिलने से नवजात की मौत... घर पर डिलीवरी के बाद बच्चे की बिगड़ी हालत

देवास। जिले में मरीजों को अस्पताल तक लाने-ले जाने की सुविधा के लिए कागजों पर 44 एंबुलेंस दौड़ने के दावों के उलट धरातल पर स्थिति चिंताजनक है। कई दूरस्थ क्षेत्रों में समय पर 108 एंबुलेंस नहीं पहुंच पा रही है, जिसके कारण मरीजों की हालत बिगड़ रही है।

जिले के अंतिम छोर पर स्थित नेमावर में समय पर एंबुलेंस नहीं आने के कारण एक गर्भवती को समय से अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका और उसे घर में ही प्रसव हो गया, बाद में नवजात की हालत बिगड़ गई। स्वजन एक लोडिंग वाहन से जच्चा-बच्चा को लेकर नेमावर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां जांच के बाद नवजात को मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, नेमावर के वार्ड क्रमांक-12 में रहने वाली अनीता को बुधवार को घर पर ही प्रसव हुआ। स्वजनों ने 108 एंबुलेंस के लिए संपर्क किया, लेकिन बार-बार कुछ देर में वाहन भेजने की बात कही गई। इसके बाद स्वजनों ने लोडिंग वाहन के सहारे महिला व नवजात को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, यहां जांच के बाद नवजात को मृत घोषित कर दिया गया।

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार महिला को बिना दर्द के प्रसव हो गया था, बाद में एंबुलेंस वाहन समय पर नहीं मिलने के कारण अस्पताल आने में देर हो गई थी। प्रसव की सूचना के बाद आशा कार्यकर्ता को महिला के घर भेजा गया था, उस समय जच्चा व बच्चा दोनों स्वस्थ थे। उधर स्वजनों ने नवजात की मौत के लिए एंबुलेंस की देरी को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई की मांग की है। खातेगांव विकासखंड में पूर्व में भी समय पर 108 एंबुलेंस नहीं पहुंचने के कई मामले सामने आ चुके हैं लेकिन प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। प्रसूता को खातेगांव लाकर निगरानी में रखा खातेगांव के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. तुषार गुप्ता के अनुसार महिला का प्रसव घर पर होने, समय से एंबुलेंस नहीं मिलने की जानकारी सामने आई है।

सतना में खाद घोटाला! POS में 1.35 टन यूरिया, गोदाम से एक बोरी भी नहीं मिली... व्यापारी बोला- खराब है मशीन

सतना। एक तरफ किसान एक बोरी यूरिया पाने के लिए लम्बी-लम्बी कतारों में अपनी रातें गुजार रहा है, तो वहीं दूसरी ओर जिले के निजी उर्वरक विक्रेताओं के यहां पीओएस मशीन में स्टॉक होने के बाद भी गोदामों से खाद गायब है।

इसकी बानगी बुधवार की देर रात उस वक्त देखनों को मिली, जब जानकारी मिलने पर सोहावल विकासखण्ड के एसडीओ व एसडीएम एल आर जांगड़े भैसवार स्थित अखण्ड ट्रेडर्स प्रोपराइटर दीपेन्द्र सिंह के यहां छापा मारने पहुंचे, जहां पीओएस में 1.35 टन यूरिया का स्टॉक होने के बावजूद भी व्यापारी के गोदाम में एक बोरी यूरिया भी नहीं मिली।इस छापामार कार्रवाई के बाद पीओएस मशीन में स्टॉक होने के बावजूद भौतिक सत्यापन में गोदाम से यूरिया नदारद पाए जाने पर एसएडीओ उर्वरक निरीक्षक राजललन बागरी ने अखण्ड ट्रेडर्स प्रोपराइटर दीपेन्द्र सिंह को नोटिस जारी करते हुए जबाव देने को कहा है, जिसके बाद संबंधित कारोबारी के ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारी ने कहा, खराब है मशीन-अखण्ड ट्रेडर्स प्रोपराइटर दीपेन्द्र सिंह के यहां एसडीएम व एसडीओ द्वारा भौतिक सत्यापन के दौरान खाद नहीं मिलने के बाद व्यापारी ने अपने पक्ष में अधिकारियों से कहा कि आपकी पीओएस मशीन ही खराब है। मेरे पास एक बोरी खाद भी स्टॉक में नहीं है।

हालांकि, अधिकारियों ने जांच के दौरान व्यापारी के सारे दस्तावेज खांगलते हुए जांच कर पंचनामा तैयार कर लिया है, जिसके बाद उर्वरक निरीक्षक द्वारा व्यापारी को नोटिस थमाई गई है।

ग्वालियर में अंधविश्वास में छात्रा की मौत, तांत्रिक और माता-पिता सहित चार पर एफआईआर

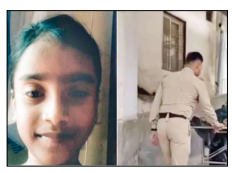

ग्वालियर। इंदरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत शिंदे की छावनी, खल्लासीपुरा में अंधविश्वास के चलते 14 साल की छात्रा की जान चली गई। छात्रा को 15 दिन से बुखार था और इलाज कराने पर राहत नहीं मिली तो स्वजन तांत्रिक के पास ले गए। तांत्रिक ने तंत्र क्रिया की, जमीन पर पटका और छड़ से भी दागा, इसके बाद उसकी हालत और बिगड़ गई व मौत हो गई।

माता-पिता अंतिम संस्कार करने जा रहे थे तो किसी ने पुलिस को सूचना दी कि यह सामान्य मौत नहीं है। पुलिस ने अंतिम संस्कार रुकवाया और शव को सुरक्षित कर पोस्टमार्टम हाउस के लिए भिजवाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बालिका की मौत सिर पर चोट लगने से होना सामने आया है। पुलिस ने तांत्रिक, सहयोगी व माता-पिता पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, शिंदे की छावनी के खल्लासीपुरा निवासी रौनक (14) पुत्री सुनील पाल, आठवीं कक्षा की छात्रा थी। वह पिछले 15 दिनों से बुखार से पीड़ित थी। स्वजन इलाज के लिए उसे डॉक्टर के पास भी ले गए, लेकिन आराम नहीं मिला। सोमवार को रौनक की घर पर ही मौत हो गई। इसके बाद स्वजन अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पहुंचे, तभी पुलिस मौके पर पहुंच गई।

LBSITM ने किया नए स्टूडेंट्स का वेलकम, अतिथियों ने किया उज्जवल भविष्य के लिए मार्गदर्शन

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी के प्रेरक जीवन पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म प्रदर्शित की गई

इंदौर। इंदौर के लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ने आगमन-2025 के जरिए बुधवार 20 अगस्त को एमबीए, बीबीए, बीकॉम, पीजीडीएम और आईटीआई कोर्सेस में प्रवेश लेने वाले नए छात्रों का स्वागत किया। समारोह धरमपुरी स्थित कॉलेज कैंपस में संपन्न हुआ, जहां अतिथियों ने उज्जवल भविष्य के लिए छात्रों का मार्गदर्शन किया। इसके साथ ही कॉलेज प्रबंधन द्वारा स्टूडेंट्स के लिए डांस, फन एक्टिविटीज एवं फूड जोन का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र सरकार में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट जी थे। मप्र सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक प्रो. डॉ. आरके दीक्षित जी एवं श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. डॉ. योगेश गोस्वामी जी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन श्री अनिल शास्त्री जी ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। संस्थान के चेयरमैन श्री अनिल शास्त्री ने अतिथियों एवं उपस्थित छात्रों व उनके पालकों को इंदौर कैंपस के बारे में जानकारी दी। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी के प्रेरक जीवन पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म प्रदर्शित की गई। इंदौर कैंपस के डायरेक्टर डॉ. दीपक अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया।

संस्थान के एडवाइजर श्री आदर्श शास्त्री ने संस्थान के मूल्यों, सिद्धांतों एवं लक्ष्यों के बारे अवगत कराते हुए कहा कि सबको शिक्षा, सबका विकास ही संस्थान का एकमात्र उद्देश्य है। शिक्षा के द्वारा ही समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने का कार्य संभव हो सकता है और समाज के प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा को सुलभता और सुगमता से पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। एलबीएसआईटीएम के बीओजी मेंबर डॉ. आरके व्यास ने अपने संबोधन में देश के प्रतिष्ठित और शीर्ष मैनेजमेंट संस्थान लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राजधानी दिल्ली, प्रयागराज के मांडा, यूपी के बरेली और मप्र के इंदौर में स्थित संस्थान के कैंपस मैनेजमेंट स्टडीज में युवाओं को सबसे बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रसिद्ध हैं। दिल्ली में संस्थान का मुख्यालय है, जहां से प्रति वर्ष कैंपस सिलेक्शन के जरिए सैकड़ों स्टूडेंट्स को टॉप मल्टी नेशनल कंपनीज में नौकरियां मिल रही हैं। संस्थान का हैदराबाद कैंपस भी शीघ्र प्रारंभ होने वाला है। इसके अलावा लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में अपने नए कैंपस के शुरू होते ही टॉप ग्लोबल-इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का दर्जा हासिल कर लेगा।

आभार प्रदर्शन प्रोग्राम चेयर डॉ. नीलू गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. आकांक्षा पुरोहित ने किया कार्यक्रम को सफल बनाने में एलबीएसआईटीएम के प्रोफ़ेसर डॉ. सुमित चोपड़ा, एडमिशन हेड लव वाड़िया, पीआरओ श्रीमती कविता नातू, प्रो सुरभि राजोरिया ,रानी दशोरिया सिस्टम एडमिन दीपक वरे प्रिंसिपल आईटीआई दीपक दहरिया ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सरकारी स्कूलों की पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण कार्य उच्च गुणवत्तापूर्ण हो

इंदौर। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि शैक्षणिक सत्र वर्ष 2026-27 में पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा मुद्रित की जाने वाली किताबें उच्च गुणवत्ता की हों। उन्होंने कहा कि मुद्रण कार्य से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं तय समय-सीमा में पूरी की जायें। उन्होंने कहा कि पाठ्य पुस्तकों का वितरण शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही पूरा किया जाये। यह व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह बुधवार को मंत्रालय में पाठ्य पुस्तक निगम की गवर्निंग बॉडी की बैठक ली। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता, वित्त, माध्यमिक? शिक्षा मंडल के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

बैठक में पाठ्य पुस्तक निगम के एमडी श्री विनय निगम ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में करीब 9 करोड़ पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण होगा। इसके लिये ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के तहत निविदा की प्रक्रिया होगी। निगम शैक्षणिक सत्र 2026-27 में 10 मार्च 2026 तक सभी पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण कार्य पूरा कर लेगा। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष अप्रैल 2025 में शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण शुरू किया गया था। इस वर्ष अब तक लगभग सभी पाठ्य पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों को किया जा चुका है।

संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए आयुष्मान आरोग्य शिविरों का हुआ आयोजन

इंदौर। इंदौर जिले में आयुष विभाग एवं जिला प्रशासन इन्दौर द्वारा संक्रामक रोगों का प्रबंधन एवं रोकथाम हेतु आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम विषय पर हुआ। यह शिविर जिले के 14 शासकीय आयुर्वेद औषधालय, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) मांगलिया, सेमलिया चाउ, रंगवासा, चोरल, दतोदा, गवली पलासिया, बड़गोंदा, धार नाका, सगरोद, कराड़िया, अजनोद, बावलियां खुर्द, तिल्होर खुर्द में आयोजित किये गए। शिविरों में 648 ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधी वितरित की गई। शिविर में आयुष चिकित्साधिकारी, सीएएमओ, पैरामेडिकल स्टाफ का सहयोग रहा।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि संक्रामक रोग शरीर में प्रवेश करने वाले हानिकारक कीटाणुओं, रोगजनको के कारण होने वाली बीमारियां है। संक्रामक रोगों का प्रबंधन रोकथाम और उपचार दोनों पर केंद्रित है, इसमें स्वच्छता, टीकाकरण और उचित चिकित्सा उपचार के माध्यम से की जाना चाहिए। संक्रमण में सूक्ष्मजीवी कारणों की पहचान कर उपचार किया जाता है। संक्रमण चार प्रकार से होता है वायरस, बैक्टीरिया, कवक, परजीवी। ये रोगाणु त्वचा से त्वचा के संपर्क में आने से, शरीर के तरल पदार्थों के स्थानांतरण या मल के संपर्क के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं और रोग उत्पन्न करते हैं। पाचन तंत्र के रोग, श्वसन तंत्र के रोग, नेत्र रोग, कान के रोग, मुख रोग, ज्वर रोग, त्वचा रोग जैसे छोटी माता, मलेरिया ज्वर, डेंगू ज्वर आदि संक्रामक बीमारियां है।

संक्रामक रोगों से बचने के लिए स्वच्छता बनाए रखना, हाथ धोना, खांसते या छींकते समय मुंह ढँकना और व्यक्तिगत सामान एक-दूसरे के साथ साझा नहीं करना चाहिए। भोजन की सुरक्षा का पालन करना चाहिए, समय-समय पर टीकाकरण करना चाहिए। नागरिकों से कहा गया है कि वे हाथों को साबुन और पानी से बार-बार धोते रहे, निजी स्वच्छता से जुड़ी अच्छी आदतें अपनाए, रोगी के आसपास साफ सफाई रखें, संपर्क से बचे, पतले दस्त लगने जैसे लक्षणों का ध्यान रखें। सामाजिक रूप से नालियों में जल भराव रोके तथा नियमित सफाई करें, जंगली झाड़ियों को साफ करें, खुले में शौच न करें, शौचालय का ही उपयोग करें, खाने से पहले साबुन से हाथ धोए, कुपोषित बच्चों का विशेष ध्यान रखें, बच्चों का टीकाकरण अवश्य करवाएं, मच्छरों एवं मक्खियों को भगाने के पर्याप्त उपाय करें।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन को तेज करने इंदौर पहुंचे राकेश टिकैत

इंदौर। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत इंदौर पहुँचे और इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन, आउटर रिंग रोड सहित अन्य विकास परियोजनाओं से प्रभावित किसानों से मुलाकात की। टिकैत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ÷आपकी और हमारी लड़ाई एक है। हम आपके साथ हैं, आप हमारे साथ मिलकर संघर्ष करें।÷

इस दौरान किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार किसानों के हितों की लगातार अनदेखी कर रही है और भूमि अधिग्रहण में न्यूनतम मुआवजा देकर किसानों के साथ अन्याय कर रही है।

स्वर्गीय रामेश्वर पटेल के निवास %नंदी परिसर%, बिचोली मरदाना में आयोजित बैठक में किसान नेताओं ने राकेश टिकैत का स्वागत किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल, किसान नेता राधेश्याम पटेल, हंसराज मंडलोई सहित कई किसान नेता उपस्थित रहे।

हंसराज मंडलोई ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बैठक में इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन, आउटर रिंग रोड, इंदौर-मनमाड रेलवे लाइन, सिंहस्थ कुंभ मेला क्षेत्र उज्जैन, विक्रमपुरी उद्योग नगरी एवं ग्रीन फील्ड जैसे प्रोजेक्ट्स में हो रहे भूमि अधिग्रहण के मसले पर विस्तार से चर्चा की गई।

101 सालों से झांकी की परम्परा को जीवित रखने में चलित झांकी कलाकार- सज्जनसिंह वर्मा

इंदौर। शहर में झांकी कलाकारों के सम्मान की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष गीता रामेश्वर ट्रस्ट एवं नेताजी सुभाष मंच द्वारा आयोजित 22वां मालवा अलंकरण सम्मान समारोह बड़ी गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। 101 सालों से झांकी कला को प्रोत्साहित करने वाले इस आयोजन का नेतृत्व वरिष्ठ समाजसेवी मदन परमालिया द्वारा किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि 101 सालों से झांकी की परम्परा को जीवित रखने में चलित झांकी कलाकारों एवं मीलों के कमेटियों के पदाधिकारियों का सबसे बड़ा योगदान है जो आज बड़ी ही कर्मठता से इस गौरवशाली परम्परा को जीवित रखे हुए हैं।

अध्यक्षता करते हुए सहकारिता क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ता राधेश्याम पटेल ने कहा कि मालवा की परम्परा और झांकियों का निर्माण कलाकारों के सहयोग से ही सम्पन्न होता है। इसके लिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ।

इस मौके पर मुख्य रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनोहर धवन, देवास आईडीए के पूर्व अध्यक्ष मनोज राजानी एवं युवा नेता चेतन चौधरी शामिल थे।

इस अवसर पर चलित झांकी महिला कलाकार स्वाति लंवगड़े को मालवा रत्न अलंकरण सम्मान एवं लाईट-साज सज्जा कलाकार रमेशचंद्र देवांग को से प्रतिचिन्ह, शाल-श्रीफल एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके झांकी कला में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गयाो।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति के संयोजक मदन परमालिया ने आकर्षक शैली में किया, जिसने उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अतिथियों का स्वागत विनोद सत्यनारायण पटेल ने किया। इस गरिमामयी समारोह में मध्यप्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव शेख शाकिर मसूदी, पूर्व पार्षद भरत जिनवाल, देवीलाल गुर्जर, डॉ. भाग्यश्री खरखडिया, संगीता वाधवानी, गणेश वर्मा, जितेन्द्र वर्मा, वरिष्ठ नेता कन्हैया मिमरोट, हंसराज, शेख साजिद मसूदी, साहिल मसूदी सहित सैकड़ों लोगों ने उपस्थिति दर्ज कर समारोह की शोभा बढ़ाई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संभाग के छः कलेक्टर्स को प्रदान किये स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

इंदौर। केंद्र और राज्य शासन के विशेष प्रयास से पूरे प्रदेश में 4 जुलाई से 30 सितम्बर तक आकांक्षी जनपदों में अभियान चलाया गया था। इस विशेष अभियान में महिलाओं के स्वास्थ्य, आर्थिक सशक्तिकरण, पोषण, आहार तथा कृषि पर आधारित कारकों को शामिल किया गया था। उन कारकों पर इंदौर संभाग के 6 जिलो ने बढ़-चढ़कर कार्य किया। ऐसी जनपदों में चुने गए इंडिकेटर्स में शत प्रतिशत सेच्युरेशन की स्थिति में आने पर भोपाल कार्यक्रम में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर संभाग के 6 जिलो में हुए उत्कृष्ट कार्य पर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से सम्मानित किया। इंदौर सम्भागायुक्त श्री दीपक सिंह ने भी उन कलेक्टर्स के कार्यों की सराहना करते हुए बधाई दी है। इंदौर संभाग के अलीराजपुर, बड़वानी, धार, झाबुआ, खरगोन और खरगोन जिलों ने बेहतर कार्य करते हुए मेडल्स प्राप्त किये है।

अभियान में पहली तिमाही के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं को महत्व दिया गया। इसके अलावा पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं तथा एसएचजी के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक शक्ति के विकास को शामिल किया गया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कार्यों में गुणवत्ता में कमी होने पर किसी भी अधिकारी को दूसरा अवसर नही दिया जाएगा- श्री दुबे

अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक

उज्जैन। अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग श्री संजय दुबे की अध्यक्षता में गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में सिंहस्थ 2028 अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री दुबे ने निर्देश दिए कि कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। सभी कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुसार किए जाए। गुणवत्ता में कमी होने पर किसी भी अधिकारी को दूसरा अवसर नही दिया जाएगा। सिंहस्थ 2028 में करोडों श्रद्धालुओं का आगमन होगा किए गए कार्यों से प्रदेश की छवि ओर बेहतर बनेगी, सभी संबंधित अधिकारी इस बात को ध्यान में रख कर सामुहिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करे।

अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने कहा कि कार्यों में राशि में कोई कमी नही रहेगी, परंतु सभी अधिकारी कार्य लक्ष्यानुसार समयावधि में अनिवार्य रुप से पूर्ण करवाए। सीवरेज और पेयजल प्रदाय के कार्य करने वाले अपने कार्यों पर विशेष ध्यान दें। कोई भी अधिकारी कन्सल्टेंट के भरोसे ना रहे, स्वयं कार्य की गुणवत्ता और प्रगति पर व्यक्तिगत रुप से ध्यान दें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने क्वालिटी ऑफ लाईफ बड़ाने के लिए नदी से जुडाव के लिए साईकल पाथवे, पैदल मार्ग और वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। श्री दुबे ने निर्देश दिए कि श्री कालभैरव मंदिर उन्नयन की कार्ययोजना में श्रद्धालुओं को गर्मी से बचाव के लिए और गर्मी में फर्श कम गर्म हो इसके लिए प्रांगण में वृक्षारोपण विशेष रुप से सम्मिलित किया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने कहा कि आगामी निरीक्षण के दौरान मोबाईल टेस्टिंग लेब के माध्यम से कार्यों की गुणवत्ता की जांच यथा समय की जाएगी। आगामी बैठक में वरिष्ठ अधिकारी सभी कार्यों की जानकारी स्वयं प्रस्तुत करेंगे।

बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा सिंहस्थ आध्यात्मिक सिटी, श्री कालभैरव मंदिर काम्प्लेक्स, निकास चौराहे से इंदौर गेट तक ऐलीवेटेड ब्रिज, मकोडियाआम से नीलगंगा तक ऐलीवेटेड ब्रिज निर्माण कार्यों की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। उक्त कार्यों को मुख्य सचिव की बैठक में कार्य स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करने का अनुमोदन किया गया।

जनजातीय अंचल के 110 श्रद्धालुओं ने लिया उज्जैन तीर्थ यात्रा का दिव्य अनुभव

उज्जैन। जनजातीय क्षेत्र के बंधु-भगिनियों को धर्म-संस्कार और तीर्थ परंपरा से जोड़ने के उद्देश्य से माधव सेवा न्यास द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली उज्जैन तीर्थ दर्शन यात्रा इस वर्ष भी भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुई। इस यात्रा में सैलाना, बाजना और रावटी क्षेत्रों से आए कुल 110 महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

न्यास के महाप्रबंधक विजय आँजना ने बताया कि तीर्थयात्रियों ने महाकालेश्वर भक्त निवास में रात्रि विश्राम किया और भारत माता मंदिर में भजन-कीर्तन का आनंद लिया। यात्रा का समापन एक विशेष कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें स्वामीनारायण मंदिर आश्रम के संस्थापक आनंद स्वामी जी महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रावटी खंड संघचालक श्री भाण जी और मुख्य वक्ता प्रदीप पांडे रहे। अपने आशीर्वचन में आनंद स्वामी जी महाराज ने तीर्थ दर्शन की महत्ता को रेखांकित करते हुए माधव सेवा न्यास को श्रवण कुमार के समान सेवा करने वाले पुत्र की संज्ञा दी। वहीं मुख्य वक्ता प्रदीप पांडे ने न्यास द्वारा संचालित विभिन्न सेवा प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी दी। यात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं ने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए इस पहल की सराहना की और माधव सेवा न्यास के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर न्यास के न्यासी राजेश पाटीदार और रितेश सोनी ने सभी यात्रियों का शाल, श्रीफल एवं रुद्राक्ष की माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन न्यास के महाप्रबंधक विजय आँजना ने किया।

आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज में हुई लाइव इंडोस्कोपिक सर्जरी की कार्यशाला

उज्जैन। ई.ए.जी.एल.ई. परियोजना (एवरी एस्पाइरिंग गायनेकोलॉजिस्ट लर्न्स एंडोस्कोपी) फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज़ ऑफ इंडिया (फॉग्सी) एवं आर डी गार्डी मेडिकल कॉलेज, उज्जैन की एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल है। जिसके अंतर्गत 21 अगस्त को आर डी गार्डी मेडिकल कॉलेज में लाइव इंडोस्कोपिक सर्जरी की कार्यशाला आयोजित की गई। यह स्पेशल प्रोजेक्ट फॉग्सी-आईएजीई की संयुक्त पहल है, इसका मुख्य उद्देश्य स्नातकोत्तर छात्रों और शुरुआती करियर के स्त्री रोग विशेषज्ञों को लैप्रोस्कोपी जैसे मूलभूत प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित करना है।

मन को नियमित करना एवं हृदय आधारित गुणों को बढ़ाना मेडिटेशन का प्रमुख उद्देश्य है - प्रोफेसर अंशु भारद्वाज

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के प्राणिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला में 21 अगस्त तक तीन दिवसीय योग एवं मेडिटेशन शिविर प्रारंभ हुआ जो 23 अगस्त तक चलेगा।

विभागाध्यक्ष डॉ सलिल सिंह ने बताया कि विभाग सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता आया है और इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी उठाता है, ये आयोजन उसी दिशा में एक प्रयास है। विद्यार्थियों को मेडिटेशन के विषय में बताते हुए माधव कला महाविद्यालय की प्रोफेसर एवं हार्टफुलनेस संस्था की सदस्य प्रोफेसर अंशु भारद्वाज ने बताया कि विद्यार्थी जीवन को संतुलित एवं नियमित बनाने में योग एवं मेडिटेशन की प्रमुख भूमिका है। मेडिटेशन मन को नियमित एवं संतुलित करने का सबसे प्रशस्त मार्ग है। उन्होंने कहा कि विचार मन से ही निकलते है और हृदय आधारित गुणों को बढ़ाने में मेडिटेशन एक अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि नियमित योग एवं ध्यान के अभ्यास से चित प्रसन्न रहता है और शरीर में हैप्पी हार्मोन की मात्रा भी बढ़ जाती है, अतः इसके अभ्यास से जीवन में संयम एवं प्रसन्नता आती है।

हार्टफुलनेस संस्था की सदस्य डॉ स्मिता भावलकर ने विद्यार्थियों को ध्यान के बारे में बताते हुए उन्हें लगभग आधे घंटे तक ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि आने वाले दो दिनों तक विद्यार्थियों को ऐसे और भी अभ्यास कराए जाएंगे। विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने इस आयोजन को एक सार्थक पहल बताते हुए कहा कि विद्यार्थी को नियमित योग एवं ध्यान का अभ्यास करने का प्रयास करें। कार्यक्रम का संचालन ख्वाहिश जायसवाल एवं गर्विता सोलंकी ने किया एवं आभार डॉ संतोष कुमार ठाकुर ने माना। कार्यक्रम में डॉ शिवी भसीन, डॉ गरिमा शर्मा, डॉ शीतल चौहान एवं डॉ पूर्णिमा त्रिपाठी सहित विभाग के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

पाणिनि विश्वविद्यालय में कुलगुरु विदाई समारोह; EC सदस्य गौरव धाकड़ ने बताया-विश्वविद्यालय को शासन से 78.75 करोड़ की सौगात, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जताया आभार

जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क भोजन पैकेट वितरण किये, सामूहिक साधना एवं ध्यान किया

उज्जैन। पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में आज निवर्तमान कुलगुरु प्रो. विजय कुमार सी. जे. मेनन का विदाई समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर शिक्षाविद् श्री केदारनारायण जोशी, कार्यपरिषद सदस्य प्रो. हरीश व्यास, कार्यपरिषद सदस्य गौरव धाकड़, कुलसचिव श्री दिलीप सोनी तथा आचार्य तुलसीदास परोहा उपस्थित रहे।

श्री केदारनारायण जोशी ने कहा कि ÷प्रो. मेनन के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने संस्कृत अध्ययन को नई पहचान दी है। उन्होंने विद्यार्थियों को परंपरा और आधुनिकता का संतुलन सिखाया।÷

प्रो. हरीश व्यास ने कहा कि ÷नवीन कुलगुरु के मार्गदर्शन में यह संस्थान भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ेगा और आने वाले समय में राष्ट्रीय ही नहीं, अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना स्थान बनाएगा।

निवर्तमान कुलगुरु प्रो. मेनन ने भावुक शब्दों में कहा कि ÷यह विश्वविद्यालय सदैव मेरी आत्मा से जुड़ा रहेगा। यहां के शिक्षक और विद्यार्थी इसे देश का अग्रणी संस्कृत विश्वविद्यालय बनाने में निरंतर कार्यरत रहेंगे।

कार्यपरिषद सदस्य गौरव धाकड़ ने अपने वक्तव्य में कहा कि ÷माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिस प्रकार मेट्रोपॉलिटन सिटी और सिंहस्थ आध्यात्मिक नगरी को लेकर कार्य कर रहे हैं, उसी प्रकार यह विश्वविद्यालय भी भविष्य में अहम भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय को ह्रष्ट में, ग्रेड दिलाने सहित अकादमिक कार्यों की मजबूत नींव रखने का श्रेय निवर्तमान कुलगुरु मेनन जी को जाता है।

धाकड़ ने यह भी जानकारी दी कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश सरकार ने आज ही विश्वविद्यालय के अधोसंरचनात्मक विकास हेतु 78 करोड़ 75 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदरसिंह परमार के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।उन्होंने बताया कि इस राशि से चार मंजिला अकादमिक सह परीक्षा भवन,तीन मंजिला अकादमिक ब्लॉक,दो मंजिला पुस्तकालय,छात्र एवं छात्राओं के लिए 100-100 क्षमता वाले छात्रावास,अतिथि भवन,सी-टाइप कुलपति आवास,फर्नीचर एवं कैंटीनका निर्माण किया जाएगा। इन निर्माण कार्यों का दायित्व म.प्र. भवन विकास निगम को सौंपा गया है।

किसान नेता राकेश टिकैत ने किये महाकाल दर्शन, भूमि अधिग्रहण पर किसानों से की चर्चा

उज्जैन। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत 21 अगस्त गुरुवार को उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने महाकाल मंदिर में महाकाल बाबा के दर्शन किये। साथ ही भूमि अधिग्रहण से परेशान किसानों से चर्चा की।

चौधरी राजेश जाट गुणावद ने बताया कि किसानों ने किसान नेता राकेश टिकैत के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि सरकार द्वारा किये जा रहे भूमि अधिग्रहण के कारण कई किसान भूमिहीन और बेरोजगार हो कर विस्थापित होने को मजबूर हैं। विक्रम उद्योगपुरी के 7 गाँव चैनपुर हँसखेड़ी, कड़छा, नरवर, मुंजाखेड़ी, गावड़ी, माधोपुर और पिपलोधा दुवारकाधीश के किसानों की 2600 बीघा भूमि अधिग्रहण कर रहे हैं जो की 100 प्रतिशत सिंचित भूमि हैं और 3 फसलीय खेती है। वहीं 12 वर्ष में एक बार लगने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के नाम पर किसानों की जमीन हड़पने का षड़यंत्र रचा जा रहा है। किसानों ने कहा किसान अन्ना दाता सरकार के विकास में कोई बाधा नहीं डालने चाहते हैं लेकिन जहां जरूरत हो वहां अधिग्रहण किया जाए, बारह वर्ष में एक बार लगने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के लिए खेती को खत्म कर देना कहां का न्याय है। उद्योगों के नाम पर फसलों को हमेशा के लिए उजाड़ देना कहा का न्याय है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com